

**Shri L. N. Mishra:** For that I will require notice.

**Mr. Speaker:** That would not be connected with this.

**Shri U. M. Trivedi:** Why not, Sir? When a particular merchant goes action is taken. But when an officer's wife goes to the office....

**Mr. Speaker:** It is not a question of going to the office.

**Shri U. M. Trivedi:** It is relevant, Sir. Those who are holding connections with the Pakistan High Commissioner's office....

**Mr. Speaker:** That is not the question here that we have got.

**Shri U. M. Trivedi:** That is the reply that has been given.

**Mr. Speaker:** He is a distinguished lawyer. It may be relevant in the courts, but not here so far as Question Hour is concerned.

**Sheikh Abdullah**

+

\*721. **Shri E. S. Pandey:**

**Shri Yashpal Singh:**

**Shri C. K. Bhattacharyya:**

**Shri Vishwa Nath Pandey:**

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government have decided to restrict the movements and to withdraw the special status of Sheikh Abdullah now under detention; and

(b) if so, the decision taken in the matter?

**The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi):** (a) and (b). Sheikh Mohammed Abdullah was first required to reside within the municipal limits of Ootacamund and after some time within the municipal limits of Kodaikanal. In the situation created by out-break of hostilities in September his movements were restricted to specified premises in Kodaikanal. Certain restrictions on his

association and communication with other persons which were imposed at the beginning have continued.

**श्री यशपाल सिंह :** जब हम ने उनको गद्दारी के इल्जाम में बन्द कर रखा है तो उन्हें छोड़े पर चढ़ने की मुविधा कैसे दी जा सकती है ? गद्दार लोग तो गधे पर चढ़ाए जाते हैं । छोड़े पर नहीं चढ़ाए जाते । छोड़ा तो शाही सवारी है । घनादि काल से, जो गद्दार लोग हैं उन्हें छोड़े पर चढ़ने की इजाजत संसार में कही नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय :** प्राप श्रीर कोई सवाल कीजिए । छोड़े पर सवारी की एडवोकेसी तो प्राप ही किया करते हैं ।

**श्री यशपाल सिंह :** क्या सरकार बट-लाएगी कि कितना रुपया रोजाना उस पर खर्च हो रहा है ?

**Mr. Speaker:** How much is being spent on him?

**Shri Hathi:** About Rs. 1000 to Rs. 1500 per month.

**श्री यशपाल सिंह :** आज कल दलीप कुमार उन से बार बार जा कर मिल रहे हैं । तो दलीप कुमार को ऐसी खास रियायत क्यों दी गयी है कि तीसरे दिन जाकर उनसे मिल सके ?

**Shri Hathi:** When people are allowed to meet him, they are permitted to do so under the authority of the government.

**श्री शिव नारायण :** मैं जानना चाहता हूँ कि दलीप कुमार को कौन सा खास इंटरैस्ट है शेर यब्दुल्ला में कि वह उन से मिलते हैं । कोई उनका पिन्चर तो नहीं बना रहे है ?

**गृह-कार्य मंत्री (श्री मन्वा) :** दलीप कुमार के बार-बार मिलने की ऐसी बात नहीं है । जो लोग मिलते हैं उनके नाम हमारे पास हैं, श्रीर जैसा मेरे कलीग ने कहा, वगैर इजाजत के कोई उनसे नहीं मिल सकता है ।

**Shri C. K. Bhattacharyya:** Is it a fact that the Madras Government have expressed themselves against bearing the responsibility for keeping Sheikh Abdullah at Kodaikanal?

**Shri Nanda:** No, Sir.

**श्री तुलशीबास जाधव :** जब बाहर के लोग उन से मिलने जाते हैं तो उनके पास हमारा कोई अधिकारी रहता है और जो वह बोलते हैं क्या उसका रिकार्ड रहता है, जैसे कि जब हम जेल में थे उस समय दृष्टा करता था ?

**श्री नन्दा :** उसका अच्छी तरह रिकार्ड रहता है ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** अभी जैसा हाथी जी ने कहा कि उन पर प्रति मास डेढ़ हजार रुपया खर्च होता है, तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इस व्यय में उस मकान या कोठी या किसी राजा के बड़े बंगले का किराया भी सम्मिलित है जो कि आपने उनके लिए किराए पर लिया है ?

**श्री नन्दा :** उनके लिए कोई मकान किराए पर नहीं लिया गया ।

**अध्यक्ष महोदय :** किसी में तो रहते होंगे ।

**श्री नन्दा :** सरकारी मकान में रहते हैं ।

**Mr. Speaker:** Has this also been taken into account in computing this amount?

**Shri Nanda:** No, Sir.

**श्री युद्धवीर सिंह :** जो यह बतलाया गया कि शेख अब्दुल्ला पर डेढ़ हजार रुपया मासिक खर्च होता है, तो क्या वह धकेले रहते हैं या और आदमी उनके परिवार के भी उनके साथ रहते हैं ? क्या इस खर्च में उनके परिवार के लोगों का भी खर्चा सम्मिलित है जो उनके साथ रह रहे हैं ?

**श्री नन्दा :** वहाँ पर जितना भी खर्च होता है, सारा उस में धा जाता है ।

2157 (A) LSD—2.

**Mr. Speaker:** Is he living alone or members of his family are also there?

**श्री नन्दा :** कभी कभी उन की वाइफ जाती है ।

**श्री रामसेवक यादव :** शेख अब्दुल्ला राजनीतिक बन्दी हैं और जैसा कि मंत्री महोदय ने अभी बताया है, आवास के खर्च को छोड़ कर 1500 रुपये मासिक उन पर खर्च किये जा रहे हैं । मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब राजनीतिक बन्दी श्री गोपालन भी हैं और डा० राम मनोहर लोहिया भी थे, तो इन दोनों में इतना भेद, इतना उबरदस्त फर्क, क्यों किया जाता है ।

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य दोनों में मुकाबला कर रहे हैं ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** उन को स्पेशल स्टेटस क्यों दिया गया है ?

**अध्यक्ष महोदय :** माननीय सदस्य यह पूछ सकते हैं कि शेख अब्दुल्ला को कोई स्पेशल स्टेटस क्यों दिया गया है ।

**श्री रामसेवक यादव :** अध्यक्ष महोदय, प्रश्न है राजनीतिक बन्धियों का ।

**अध्यक्ष महोदय :** प्राय यह सवाल कर सकते हैं कि बाकी राजनीतिक बन्धियों पर भी इतना खर्च क्यों नहीं किया जाता है ।

**श्री राम सेवक यादव :** बाकी राजनीतिक बन्धियों पर इतना खर्च नहीं होता है । मंत्री महोदय इस बात का जवाब दें कि इतना भेद क्यों किया गया है ।

**Shri Nanda:** There are special considerations and special situations. It is on the balance of consideration and in the interest of the nation that such decisions are taken (*Interruption*).

**श्री बागड़ी :** क्या देश के गृहों को इस तरह का स्पेशल स्टेटस देना कौम के हित में है ?

**अध्यक्ष महोदय :** श्री विश्वाम प्रसाद ।

**श्री बागड़ी :** मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

**अध्यक्ष महोदय :** इस वक्त व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ।

**श्री बागड़ी :** क्या देश के ग़दरों पर इतना खर्च करना प्रीर देश-हितैषियों के साथ दूसरा व्यवहार करना सरकार की नीति है ?

**अध्यक्ष महोदय :** इस पर मैं क्या व्यवस्था दूँ ?

**श्री बागड़ी :** सरकार अपनी स्पष्ट नीति बताये कि क्या कौम व्वा हित इसी में है कि देश के ग़दरों पर इतना ज्यादा खर्च किया जाये ।

**अध्यक्ष महोदय :** सरकार की नीति का बताना व्यवस्था का प्रश्न कैसे हो सकता है ?

**श्री विश्वाम प्रसाद :** इसी प्रश्न के सिलसिले में राज्य सभा में मंत्री महोदय ने बताया था कि शेख अब्दुल्ला पर चार महीने में 22 लाख रुपये खर्च हुए ।

**श्री हाथी :** 22 लाख रुपये ?

**श्री विश्वाम प्रसाद :** जी, हाँ । यह प्रश्नकारों में छपा है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह कहां तक सच है ।

**श्री हाथी :** 22 लाख नहीं कहा था । जो चार महीने का खर्च बताया होगा, वह सब मिलाकर, जिस में सिक्युरिटी और प्रमर्ज पुलिस वगैरह भी हैं, 22 हजार रुपये कहा होगा, 22 लाख नहीं ।

**श्री विश्वाम प्रसाद :** "कहा होगा" का सवाल नहीं है । मैं ने प्रश्नकारों में पढ़ा है कि 22 लाख रुपये बताया गया है ।

**श्री हाथी :** 22 लाख रुपये नहीं, 22 हजार रुपये ।

**अध्यक्ष महोदय :** नैकस्ट क्वेश्चियन ।  
**श्री डी० सा० शर्मा ।**

**श्री शिव नारायण :** अध्यक्ष महोदय, आप से प्रार्थना है कि यह देश के लिए बहुत महत्व का प्रश्न है । ग़दरों के साथ ऐसा व्यवहार.....

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय :** इस वक्त कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** एक सवाल रह गया था । मैं उस के बारे में व्यवस्था उठा रहा हूँ ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं भगले सवाल पर चला गया हूँ । अब कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** आप एक बहुत महत्वपूर्ण सवाल छोड़े जा रहे हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं ने बहुत वक्त दिया है । पांच सवालों में सारा घंटा लग गया है ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत बार खड़ा हुआ हूँ । मुझे एक सवाल पुछने की इजाजत दीजिए ।

**अध्यक्ष महोदय :** कोई मेम्बर यह उम्मीद नहीं कर सकता कि उस को हर एक सवाल में मौका दिया जाये । यह कैसे हो सकता है ?

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** ऐसे ग़दर लोगों पर इतना खर्च किया जा रहा है । इसीलिए माननीय सदस्य इस के बारे में सवाल पूछना चाहते हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** सिर्फ छः सात सवाल सारे घंटे में करे हुए हैं । मैं इस सवाल के लिए एक घंटा नहीं दे सकता हूँ ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** एक घंटा कहां हुआ है ? केवल दस मिनट हुए हैं ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं एक सवाल पर इस से ज्यादा समय नहीं दे सकता हूँ।

**श्री मधु लिववे :** व्यवस्था का प्रश्न तो डाक्टर साहब का मुन लीजिए।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** मैं इस सवाल के बारे में नहीं कह रहा हूँ। मैं सवाल नम्बर 722 के बारे में आप से कह रहा हूँ।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं अगले सवाल पर चला गया हूँ।

### Home Guards

\*723. **Shri D. C. Sharma:**  
**Shrimati Renuka Barkataki:**  
**Shri Himatsingka:**  
**Shri Rameshwar Tantia:**  
**Shrimati Savitri Nigam:**

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the recruitment of Home Guards is not upto expectations; and

(b) if so, the steps taken to gear up the Organisation for recruitment of Home Guards?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) and (b). In the light of the experience gained during the recent hostilities questions relating to recruitment, training and working of the Home Guards were discussed in a Conference of the Chief Ministers and Home Ministers of various States held here on the 8th of November and also in a meeting of the Commandants of the Home Guards of the State Governments, and it was decided to make up the short-falls without any delay.

**Shri D. C. Sharma:** May I know why it is that more people do not come to join Home Guards? Has the Government found out any reasons for that?

**Mr. Speaker:** Hon. Members should put questions directly to the Chair. I can't hear the question and I am not in a position to decide whether that

is relevant and whether that can be allowed. Therefore, I request hon. Members to put questions directly towards me so that I can follow the questions.

**Shri D. C. Sharma:** May I know, Sir, whether it has been ascertained as to why so many persons are not willing to join the Home Guards; if so, what remedies the Government propose to take?

**Shri L. N. Mishra:** I have stated in my original answer that the question of recruitment was reviewed. There were some deficiencies in the original scheme. We are trying to overcome them and we believe we will be able to achieve the target in due time.

**Shri D. C. Sharma:** May I know if the Home Guards Organisation is going to be wholly and solely under the Central Home Ministry or the State Home Ministry will also have something to do with it?

**Shri L. N. Mishra:** It is a State subject. We are giving them some grants on 50:50 basis.

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether it is a fact that the Home Guards Organisation is suffering from paucity of funds and some other difficulties which can be removed by the Government easily? If the answer is in the affirmative, what steps are the Home Ministry going to take to see that these difficulties are removed soon?

**Shri L. N. Mishra:** It is a fact that the State Governments had some financial difficulties and other difficulties also. Now we have come to some final conclusions in the matter and we hope that this organisation will be on a sound footing very soon.

**श्री हुकूम खन्ड कल्याण :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि होम गार्ड्स पर केन्द्रीय सरकार कितना खर्च करना चाहती है और क्या इस रकम से इस संबंध में हमारी आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है :